



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा 2022-23

**पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए
अर्हता व सीट विवरण**

विश्वविद्यालय हेल्पलाइन : 18002332141 (टोल फ्री)

ई-मेल : admissionmgahv@hindivishwa.ac.in

पीएच.डी. कार्यक्रमों का विवरण : 2022-23

महात्मा गांधी अंतराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

अर्हता	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम 55% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर)/दिव्यांगों के लिए 50%) अंकों के साथ संबंधित/सुसंगत विषय में परास्नातक परीक्षा उत्तीर्ण। भारत सरकार/यू.जी.सी. के आरक्षण नियमानुसार तथा रिक्त श्रेणी सीटों की सापेक्षता में पीएच.डी. सीटों का विज्ञापन किया गया है।							
क्रम	कार्यक्रम का नाम	विषय से संबंधित/सुसंगत विषय	सीटों की संख्या (वर्गवार)					
			UR	OBC	SC	ST	EWS	कुल
1	भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा	भाषा प्रौद्योगिकी/हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी) /भाषाविज्ञान/कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	1	1	1	1	1	5
2	इंफॉर्मेटिक्स एंड लैंग्वेज इंजीनियरिंग	भाषाविज्ञान/भाषाप्रौद्योगिकी/कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान/अनुवाद प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकी/संगणक विज्ञान/संगणक अभियांत्रिकी/भाषा अभियांत्रिकी/कृत्रिम बुद्धि/डेटा साइंस/इलेक्ट्रॉनिक्स/इंस्ट्रुमेंटेशन/इलेक्ट्रीकल्स	1	1	0	0	0	2
3	स्पैनिश (भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)	स्पैनिश में एम.ए. अथवा किसी अन्य भाषा या भाषाविज्ञान में एम.ए. एवं स्पैनिश में डिप्लोमा।	1	1	1	0	0	3
4	चीनी (भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)	चीनी में एम.ए. अथवा किसी अन्य भाषा या भाषाविज्ञान में एम.ए. एवं चीनी में डिप्लोमा।	2	0	0	0	1	3
5	फ्रांसीसी (भाषा/भाषाविज्ञान/अनुवाद)	फ्रांसीसी में एम.ए. अथवा किसी अन्य भाषा या भाषाविज्ञान में एम.ए. एवं फ्रांसीसी में डिप्लोमा।	1	1	1	1	0	4
6	उर्दू भाषा	उर्दू भाषा में एम.ए. अथवा किसी अन्य भाषा या भाषाविज्ञान में एम.ए. एवं उर्दू में डिप्लोमा।	0	1	1	0	1	3
7	सिनेमा अध्ययन	सिनेमा अध्ययन अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	1	0	1	0	0	2
8	गांधी एवं शांति अध्ययन	समाज विज्ञान के किसी भी विषय में अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	2	2	1	0	0	5
9	दलित एवं जनजातीय अध्ययन	दलित एवं जनजातीय अध्ययन/इतिहास/समाजशास्त्र /राजनीति विज्ञान/मानवविज्ञान/अर्थशास्त्र अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	1	0	0	0	1	2
10	दर्शनशास्त्र	दर्शनशास्त्र अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	1	1	0	0	0	2
11	अनुवाद अध्ययन	अनुवाद अध्ययन/किसी भी भारतीय अथवा विदेशी भाषा-साहित्य/हिंदी (अनुवाद)/ भाषाविज्ञान अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	5	3	2	1	1	12
12	प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन	प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन/ समाजशास्त्र/ इतिहास/मानवविज्ञान अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	2	1	0	0	1	4
13	तुलनात्मक साहित्य	तुलनात्मक साहित्य अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	1	1	1	1	0	4
14	जनसंचार	जनसंचार अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	2	1	0	0	0	3
15	मानवविज्ञान	मानवविज्ञान/मानवशास्त्र/समाजशास्त्र/ फॉरेंसिक साइंस अथवा सुसंगत विषय में एम.ए.।	1	2	1	1	1	6

16	समाज कार्य	एम.एस. डब्ल्यू/मनोचिकित्सकीय समाजकार्य/गांधीय समाज कार्य/सामुदायिक विकास/ग्रामीण विकास अथवा सुसंगत विषय में एम.ए।	1	0	0	0	0	1
17	राजनीति विज्ञान	राजनीतिशास्त्र अथवा सुसंगत विषय में एम.ए।	2	1	1	0	0	4
18	शिक्षाशास्त्र	शिक्षाशास्त्र अथवा सुसंगत विषय में एम.ए।	11	7	4	2	3	27
19	प्रबंधन	एम.बी.ए./एम.एम.एस./सी.ए./आई.सी.डब्ल्यू.ए./सी.एस.	1	1	1	0	1	4

शुल्क-विवरण

पीएच.डी.

शुल्क मद		पंजीयन शुल्क (एक बार)	शिक्षण शुल्क (वार्षिक)	सुरक्षा राशि (प्रतिदिन)	परीक्षा शुल्क	पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	सांस्कृतिक कार्यक्रम/खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	परिचय पत्र शुल्क	इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	विकास शुल्क (वार्षिक)	विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	कुल
पीएच.डी.	प्रथम वर्ष	2000	1000	350	(परीक्षा शुल्क राशि रुपये 2500/- शोध उपाधि हेतु शोध प्रबंध जमा करते समय ली जाएगी।)	1000	75	25	1200	50	100	5800
	द्वितीय वर्ष एवं आगे के वर्षों के लिए	—	1000	—		1000	75	—	1200	50	100	3425

विभागों/कार्यक्रमों संबंधी और अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट : <http://hindivishwa.org/school.aspx> पर लॉगइन करें।

विश्वविद्यालय महात्मा गांधी के नाम पर स्थापित है। अतः प्रवेशार्थियों से यह अपेक्षा होगी कि वे महात्मा गांधी की आचार-पद्धति और गांधीवादी मूल्यों के प्रति सम्मानशील रहें।

प्रवेश के नियम

1. प्रत्येक कार्यक्रम हेतु पृथक् ऑनलाइन आवेदन करना होगा।
2. पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया से होंगे। प्रक्रिया का विवरण संबंधित कार्यक्रम के साथ अंकित है और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेश संबंधी प्रक्रिया एवं नियमों में कोई बदलाव होता है तो वह केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट: www.hindivishwa.org पर अपलोड किया जाएगा। प्रवेश के इच्छुक आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहें। सूचना प्राप्ति में देरी, सूचना न मिलने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय की नहीं होगी। प्रवेश हेतु किसी भी प्रकार की शिकायत/सुझाव हेतु विश्वविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश शिकायत निवारण (Admission Grievances) पोर्टल के माध्यम से आवेदन स्वीकार होगा। अन्य किसी माध्यम से आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
3. नवप्रवेशित शोधार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के अधिनियम, परिनियम, अध्यादेशों, नियमों और विनियमों के साथ ही समय-समय पर जारी कार्यालयादेशों, अधिसूचनाओं, सूचनाओं तथा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।
4. पीएच.डी. कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम तथा विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् द्वारा स्वीकृत अद्यतन पीएच.डी. अध्यादेश के अनुसार संचालित है। प्रवेश के इच्छुक आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे संलग्न पीएच.डी. अध्यादेश का अवलोकन अवश्य करें।

5. पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु इच्छुक ऐसे आवेदक जिनकी उम्र 35 वर्ष से अधिक है, उन्हें पीएच.डी. में प्रवेशोपरांत किसी भी प्रकार की अध्येतावृत्ति (Fellowship) देय नहीं होगी।
7. प्रवेशार्थी ने जिस कार्यक्रम के लिए आवेदन किया है, उससे भिन्न कार्यक्रम में प्रवेश पर विचार नहीं किया जाएगा।
8. पीएच.डी. में प्रवेश की पात्रता के रूप में निर्धारित अर्हता परीक्षा में बैठने जा रहे अभ्यर्थी अपने निजी उत्तरदायित्व पर प्रवेश-परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयनित होने की स्थिति में वे प्रवेश के लिए तभी अधिकृत होंगे, जब उन्होंने अर्हता परीक्षा में अंकों का न्यूनतम निर्धारित प्रतिशत प्राप्त किया होगा। उन्हें पंजीयन के लिए निश्चित समय-सीमा (कोर्स वर्क की परीक्षा) से पूर्व अर्हता परीक्षा के अंतिम अंक-पत्र सहित सभी दस्तावेज जमा करने होंगे। ऐसा न करने की स्थिति में उनका प्रवेश/नामांकन स्वतः निरस्त माना जाएगा।
9. पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश लिखित प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर होगा जिसमें 80% अधिभार लिखित परीक्षा एवं 20% साक्षात्कार का होगा। अंतिम परिणाम हेतु मेरिट लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के अंकों को जोड़ कर तैयार की जाएगी। पीएच.डी. की लिखित प्रवेश परीक्षा में 50% प्रश्न संबंधित विषय तथा 50% प्रश्न शोध अभिरुचि, तार्किक योग्यता एवं हिंदी भाषा अभिज्ञता के होंगे। लिखित परीक्षा के प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होंगे। दोनों प्रश्न-पत्रों में अलग-अलग न्यूनतम 50% अंक लाने होंगे तथा दोनों प्रश्न-पत्रों को जोड़ कर न्यूनतम 50 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। आरक्षित वर्गों के लिए दोनों प्रश्न-पत्रों में अलग-अलग न्यूनतम 45 अंक लाने होंगे तथा दोनों प्रश्न-पत्रों को जोड़ कर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त अभ्यर्थियों में से प्रत्येक सीट के अनुपात में पांच गुना अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा। प्रवेश के नियमों के अंतर्गत अंकित बिंदु क्रमांक 17 के अनुसार निर्धारित भारांक दिये जाने की व्यवस्था होगी।
10. पीएच.डी. प्रवेश प्रक्रिया में साक्षात्कार हेतु चयनित अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय प्रस्तावित शोध विषय से संबंधित अधिकतम पांच पी.पी.टी. स्लाइड की प्रस्तुति अनिवार्य रूप से देनी होगी।
11. शोध निर्देशक की उपलब्धता के आधार पर पीएच.डी. की सीटें बढ़ाई अथवा घटाई जा सकती हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा।
12. प्रवेश प्राप्त प्रत्येक शोधार्थी को मूल प्रवजन (माइग्रेशन) प्रमाणपत्र/स्थानांतरण प्रमाणपत्र विश्वविद्यालय में 06 माह के भीतर जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा उनका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा।
13. प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करते समय आवश्यक दस्तावेज सॉफ्टकॉपी के रूप में उपलब्ध कराएँ और दिए गए अन्य निर्देशों का पालन करें। ऑनलाइन आवेदन के लिए <https://mgahvadmission.samarth.edu.in/index.php> के माध्यम से आवेदन करें।
14. चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते समय अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों/दस्तावेजों की एक-एक प्रति प्रवेश प्रकोष्ठ में जमा करनी होगी तथा मूल प्रति सत्यापन के लिए उपलब्ध करानी होगी।
15. शुल्क में किसी प्रकार का बदलाव सभी शोधार्थियों पर समान रूप से लागू होगा।
16. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग श्रेणी के शोधार्थियों को नियमानुसार शिक्षण शुल्क से छूट दी जाएगी।
17. राजभाषा हिंदी की दृष्टि से 'ग' क्षेत्रों के ओड़िशा, बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश एवं केरल में स्थित विश्वविद्यालयों के ऐसे उपाधिधारी जो इन क्षेत्रों के निवासी हैं और उनकी मातृभाषा हिंदी नहीं है उन अभ्यर्थियों को पांच प्रतिशत का भारांक दिया जाएगा।
18. अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-प्रपत्र में दी गई सूचना गलत पायी जाने पर उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा।
19. कोई भी शोधवृत्ति वित्तीय अनुदान प्रदान करने वाले अभिकरण की शर्तों और प्रक्रिया के अधीन देय होगी। कार्यक्रम अधूरा छोड़कर जाने वाले अभ्यर्थियों को प्राप्त छात्रवृत्ति/शोधवृत्ति की राशि नियमानुसार विश्वविद्यालय को लौटानी होगी।
20. राजीव गांधी राष्ट्रीय फेलोशिप/मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फेलोशिप/जेआरएफ/एसआरएफ प्राप्त शोधार्थियों को यू.जी.सी. अथवा संबंधित बैंक से फेलोशिप की राशि प्राप्ति में विलंब होने अथवा अन्य किसी भी परिस्थिति में नॉननेट सामान्य फेलोशिप विश्वविद्यालय द्वारा नहीं दी जाएगी।

21. आरक्षण: भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार देय होगा। सीटें रिक्त होने पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्थान नियमानुसार अंतरपरिवर्तनीय होंगे। अनुसूचित जाति को 15%, अनुसूचित जनजाति को 7.5%, अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) को 27% एवं आर्थिक कमजोर वर्ग को 10% आरक्षण देय है, जबकि दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को 5% क्षैतिज आरक्षण (Horizontal Reservation) देय है।
22. शोध प्रबंध जमा करने का माध्यम हिंदी भाषा है। अतः सभी प्रवेशार्थियों से हिंदी भाषा में दक्षता अपेक्षित है।
23. शुल्क वापसी: पीएच.डी. कार्यक्रम से नामांकन रद्द होने/रद्द कराने की स्थिति में शुल्क की वापसी नियमानुसार होगी।
24. प्रवेश के संबंध में किसी मामले में विवाद की स्थिति में न्यायाधिकार क्षेत्र वर्धा/नागपुर होगा।



Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

Ordinance No. 45/2020

Modified as per UGC (Minimum standard and procedure for award of M.Phil./Ph.D. Degrees) Regulation, 2016
(Approved by Academic Council in its 32nd Meeting held on 27.04.2020)

Doctor of Philosophy (Ph.D.)

DEFINITIONS:

Subject to the provisions of The Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya Act, 1996 (No. 3 of 1997) (hereinafter referred to as MGAHV Act of 1996), and the Statutes and Ordinances passed there under:

1. 'Academic Council' means the Academic Council of Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya (hereinafter referred to as the University), as explained under Section-22 of the MGAHV Act of 1996 and Clause-15 of THE STATUTE attached to the Act, and shall have the same meaning as 'ACADEMIC COUNCIL'.
2. 'Board of Studies' (BoS) means Board of Studies of the concerned Department/Centre, as explained under Clause-17 of THE STATUTE attached to MGAHV Act of 1996.
3. 'Candidate' means a person who applies for the Ph.D. Programme as per this Ordinance.
4. 'Co-Supervisor' means the second supervisor as mentioned in para-9 of this Ordinance.
5. 'Examiner' means an expert for evaluation of the thesis nominated by the Vice Chancellor from the panel of examiners.
6. 'Open Viva-voce' means Viva-voce of the candidate to be conducted after submission and satisfactory report of the thesis and before the award of the Ph.D. degree, and which may be witnessed by anyone in the University.
7. 'Panel of Examiners' means a set of six examiners proposed by the supervisor for evaluation of the thesis.
8. 'Ph.D.' means Doctor of Philosophy.
9. 'Pre-Ph.D. Programme' means a course-work to be pursued prior to the pre-registration seminar by the candidates who do not hold an M.Phil. Degree.

10. 'Pre-registration Seminar' includes a written submission and presentation on the research proposal, to be given by the candidate before registration of the topic.
11. 'Pre-submission Seminar' includes a written submission and presentation based on findings of the research work to be given by the research scholar before submission of the thesis.
12. 'Departmental Research Monitoring Committee' (DRMC) means 'Departmental Research Monitoring Committee as mentioned in **Para- 14.2** of this Ordinance.
13. 'Research Scholar' means the candidate who has been granted admission to the Ph.D. Programme and thereafter registered for the same.
14. 'Review of Literature' means study, review and analysis of the literature or material related to the field of research of the research scholar.
15. 'School Board' (SB) means the School Board of each School of the University.
16. 'Supervisor' means the principal supervisor who monitors and guides the candidate.

PROVISIONS:

1. Ph.D. PROGRAMME:

- 1.1. The Doctoral (Ph.D.) Programme shall be a regular and residential programme.
- 1.2. Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the University shall not conduct Ph.D. Programmes through distance education mode.
- 1.3. Ph.D. programme is for 100 credits (excluding the Course Work). Distribution of credits is as below:

a. Thesis Writing	:	80 credits
b. Viva-Voce	:	20 credits
c. Research Associate ship	}	
Teaching Associate ship		
	:	10 credits (Additional)

(Awarded by supervisor and HoD jointly; obtaining 50% credit score shall be compulsory)

2. ELIGIBILITY:

- 2.1. Master's degree or a professional degree declared equivalent to the Master's degree (in concerned subjects) by the corresponding statutory regulatory body, with at least 55% marks in aggregate or its equivalent grade 'B' in the UGC 7-point scale (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) or an equivalent degree from a foreign educational Institution accredited by an Assessment and Accreditation Agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other statutory authority in that country for the purpose of assessing, accrediting or assuring quality and standards of educational institutions.

A relaxation of 5% of marks, from 55% to 50%, or an equivalent relaxation of grade, may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC (non-creamy layer)/Differently-abled (Divyang) and other categories of candidates as per the decision of the University Grants Commission (UGC) from time to time, or for those who had obtained their Master's degree prior to 19th September, 1991. The eligibility marks of 55% (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) and the relaxation of 5% to the categories mentioned above are permissible based on merit of entrance exam without including the grace mark procedures.

- 2.2. A person pursuing M.Phil. Course in this University whose dissertation has been submitted and the result or viva-voce is pending may be admitted to the Ph.D. Programme of this University.
- 2.3. Candidates possessing a Degree considered equivalent to M.Phil. Degree of an Indian Institution, from a Foreign Educational Institution accredited by an Assessment and Accreditation Agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other statutory authority in that country for the purpose of assessing, accrediting or assuring quality and standards of educational institutions, shall be eligible for admission to Ph.D. Programme.

- 2.4. Upper age limit shall be 35 years for admission to Ph.D. Programme for those candidates who get fellowship. Relaxation in this upper age limit may be granted to the reserved category candidates as per rules of the Govt. of India/UGC.

3. ADMISSION PROCESS:

- 3.1. Candidates for Ph.D. Programme shall be admitted through an Entrance Test.
- 3.2. Predetermined and Manageable number of seats for Ph.D. shall be decided on an annual basis (in accordance with clause no. 6.2) through academic bodies depending on the number of available Research Supervisors and other academic and physical facilities available, keeping in mind the norms regarding the candidate-teacher ratio, laboratory. Library and such other facilities; the seats advertised shall be in accordance with specialization of the supervisors and/or the thrust area of the Department/Centre concerned.
- 3.3. Number of seats (with reservation break-up) shall be notified well in advance at the University website and through advertisement in maximum number of newspapers, out of which minimum one newspaper must be Hindi national daily and one Marathi (the regional language where the university is situated). The advertisements shall also include the number of seats for admission, subject/discipline-wise distribution with specialization/thrust area for available seats, criteria and procedure for admission, examination centre(s) where entrance test(s) shall be conducted and all other relevant information for the benefit of the candidates.

4. ENTRANCE TEST:

Candidates shall be admitted in Ph.D. Programme by a three stage admission process.

4.1 Stage- I: Screening

- (a) Screening of applications shall be done by Departmental Admission Committee as given below:
- i. Head of the Department/Director of the Centre : Chairperson
 - ii. All Faculty members of the Department : Member
 - iii. One SC/ST nominee (if not represented) nominated by the Vice-Chancellor : Member
- (b) The Screening Committee shall examine minimum qualifications of the candidates as prescribed under clause-(2).

4.2 Stage- II: Written Test

The total marks for written test shall be 100. Qualifying marks shall be 50% in the written test (45% for SC/ST/OBC-NCL/PWD). The syllabus of the Entrance Test shall consist of 50% of research methodology and 50% shall be subject specific. The pattern of written test may be as adopted by the University for Semester Examinations or approved by Academic Council of the University.

The Entrance Test shall be conducted at the centre(s) notified in advance. Change of centres, if any, shall also be notified well in advance.

4.3 Stage- III: Interview

- (a) Interview of 25 Marks shall be conducted by the Central Admission Committee. The constitution of committee shall be as given below:
- i. Chairperson (Nominated by the Vice Chancellor)
 - ii. Head of the Department/Director of the Centre : Member
 - iii. One senior faculty member who is a research supervisor nominated by the Vice Chancellor : Member
 - iv. One SC/ST nominee nominated by the Vice-Chancellor : Observer

4.4 Preparation of Merit List for Admission

- a) The Merit List for Admission to Ph.D. Programme shall be prepared based on marks obtained by the candidate in written test and interview by the Examination Department.
- b) Admission of the candidate shall be provisional till the date of registration.
- c) The date of joining shall be the date of admission.

5. MAINTENANCE OF THE LIST OF RESEARCH SCHOLARS:

The University shall maintain the list of all the Ph.D. registered students on its website on year-wise basis. The list shall include the name of the registered candidate, topic of her/his research, name of her/his supervisor/co-supervisor, date of enrolment/registration and year (with date) of award.

6. RESERVATION:

- 6.1 The guidelines of the University Grants Commission (UGC) and the directions of the Ministry of Human Resource Development (MHRD) issued from time to time with regard to reservation for SC / ST / OBC (NCL) / PWD ('Divyang') in Ph.D. admissions shall be applicable automatically. Presently-
 - (a) The reservation applicable for SC/ST/OBC (NCL)/EWS is fifteen percent (15%), seven point five percent (7.5%), twenty seven percent (27%) and ten percent (10%) respectively.
 - (b) The reservation for persons with benchmark disabilities shall be (5%) five percent. The seats for PWD shall be allotted from their respective categories. Interchangeability of seats shall be permitted within PWD category only.
- 6.2 Percentage of reservation shall be applied on total number of seats in the Department/Centre or Faculty and vacant seats shall be advertised accordingly.
- 6.3 Interchangeability of seats among SCs and STs shall be applicable as per rules.
- 6.4 In case no eligible candidate from the reserved categories is available, the vacant seats in the reserved quota shall not be filled by any non SC/ST & OBC candidates.

7. DURATION:

- 7.1. Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of Three (3) years, including course work, and a maximum of Six (6) years.
- 7.2. The women candidates and Persons with Disability (more than 40% disability) may be allowed a relaxation of Two (2) years in the maximum duration for Ph.D.

8. COURSE WORK: Credit requirements, number, duration, syllabus, minimum standards for completion, etc.:

- 8.1 The total credits assigned to the Ph.D. course work shall be 16 credits. However any Department/Centre of the university may opt a course of four additional credits.
- 8.2 Duration of course work shall be one semester.
- 8.3 The course work shall be treated as prerequisite for Ph.D. Programme. A minimum of four credits shall be assigned to one or more courses on Research Methodology which could cover areas such as quantitative methods, computer applications, research ethics and review of published research in the relevant field, training, field work, etc. Other courses shall be advanced level courses preparing the students for Ph.D. degree. credit distribution of Course Work shall be as follows:

i. Fundamentals of Research Methodology	:	02 credits
ii. Research and Publication Ethics (RPE)	:	02 credits
iii. Discipline Specific Research Methodology	:	04 credits
iv. Computer Applications	:	04 credits
v. Subject Specific Paper	:	04 credits

Total: 16 credits

Interdisciplinary Course (As per clause-8.1) : 04 Credits

8.4 All courses prescribed for Ph.D. course work shall be in conformity with the credit hour instructional requirement and shall specify content, instructional and assessment methods.

8.5 All candidates admitted to the Ph.D. Programmes, except those having successfully completed M.Phil. Course, shall be required to complete the Ph.D. course work prescribed by the Department/Centre for the registration.

8.6 The aforesaid Ph.D. course work shall be required to be completed within initial two semesters.

8.7 A Ph.D. candidate has to obtain a minimum of 55% of marks or its equivalent grades in the course work in order to be eligible to continue in the programme and submit the thesis

9. RESEARCH SUPERVISOR:

9.1 The Board of Studies of the Department/Centre shall have power to recognize a regular teacher of the university as Research Supervisor:

- a) Any regular Professor of the University with at least 05 (Five) research publications in refereed/UGC approved journals in concerned disciplines and any regular Associate/Assistant Professor of the university with Ph.D. degree and at least (2) two research publications in refereed/UGC approved journals in concerned discipline may be recognized as Research Supervisor.
- b) Provided that in areas/disciplines where there is no or only a limited number of refereed journals, the institution may relax the above condition for recognition of a person as Research Supervisor with reasons recorded in writing.
- c) Only a full time regular teacher of the concerned Department/Centre of the University can act as a supervisor. The external supervisors are not allowed. However, Co-Supervisor can be allowed in interdisciplinary areas from other departments of the University or from other related institutions in consultation with the Department Research Monitoring Committee. (DRMC)

9.2 The allocation of Research Supervisor for a selected candidate shall be made by the BoS concerned.

9.3 In case of topics which are of inter-disciplinary nature where the BoS concerned is of the opinion that the expertise in the Department has to be supplemented from outside. The BoS may appoint a Research Supervisor from the Department itself, who shall be known as the Research Supervisor and a Co-Supervisor from outside the Department/School/ University on such terms and conditions as may be specified and agreed upon by the consenting Institution/University.

10. NUMBER OF Ph.D. SEATS UNDER A SUPERVISOR:

A Research Supervisor/Co-Supervisor who is a Professor, at any given point of time, can guide up to eight (8) Ph.D. Research Scholars. An Associate Professor as Research Supervisor can guide up to a maximum of six (6) Ph.D. Research Scholars and an Assistant Professor as Research Supervisor can guide up to a maximum of four (4) Ph.D. Research Scholars.

11. VACANCY OF SEATS:

After submission of the thesis by the research scholar or de-registration of research scholar or cancelation of the Ph.D., the concerned seat shall be treated as vacant.

12. TRANSFER OF A CANDIDATE AND DATA:

In case of relocation of a Ph.D. woman candidate due to marriage or otherwise, the research data shall be allowed to be transferred to the University/Institution to which the candidate intends to relocate provided all the other conditions in these regulations are followed in letter and spirit and the research work does not pertain to the project secured by the parent institution/ supervisor from any funding agency. The candidate has to however give due credit to the parent supervisor and the institution for the part of research already done.

13. CHANGE OF SUPERVISOR:

The BoS shall have the power to change Supervisor:

- a) Under extra-ordinary circumstances the BoS may change the supervisor of the research scholar on the recommendation of the Departmental Research Monitoring Committee (DRMC).
- b) However, change of Supervisor shall not be permitted after the completion of one year from the date of registration.
- c) If the performance of a research scholar is not good in view of the supervisor, she/he may recommended to the BoS through HoD/DoC for change of supervisor of the Research Scholar within one year of registration with reasons in writing.

14. RESEARCH COMMITTEES:

14.1 THE BOARD OF STUDIES (BoS):

There shall be a Board of Studies for every Department/Centre of the University as given below:

- i. Head of the Department/Director of the Centre concerned : Chairperson
- ii. All Professors of the Department/Centre : Member
- iii. One Associate Professor from the Department/Centre by rotation according to seniority : Member
- iv. One Assistant Professor from the Department/Centre by rotation according to seniority : Member
- v. One Alumni from the Department/Centre from the panel consisting of minimum two members submitted by the HoD/DoC and nominated by the Vice-Chancellor : Member
- vi. Two external subject experts from the panel consisting of five members submitted by the HoD/DoC and nominated by the Vice-Chancellor : Member

** The tenure of the members (iii to vi) shall be for a period two years. Three members shall form a quorum out of which one external member shall be compulsory.*

14.1.1 FUNCTIONS OF THE BOARD OF STUDIES (BoS):

- a) To recognize and to appoint Research Supervisors.
- b) To approve Research Topics.
- c) To change/modify the Research Topic.
- d) To take necessary measures for development of research in the Department/Centre.
- e) Meeting of the BoS shall be held twice in an academic year in the months of **August and February**.

14.2 THE DEPARTMENTAL RESEARCH MONITORING COMMITTEE (DRMC):

There shall be a Departmental Research Monitoring Committee to monitor the research work of the Research Scholar as given bellow:

- i. The HoD : Chairperson
- ii. All Research Supervisors in the Department concerned : Members

14.2.1 FUNCTIONS OF DRMC

- a. DRMC meeting shall be held once in three months. There shall be no gap of more than five months between two consecutive meetings.
- b. Prior information about the meeting of DRMC shall be given to the concerned Dean of the School in advance.
- c. A research scholar shall appear before the Departmental Research Monitoring Committee once in three months to make a presentation of the progress of her/his research work for evaluation and further guidance.
- d. In case of the progress of the research scholar is unsatisfactory, the Departmental Research Monitoring Committee shall record the reasons and suggest corrective measures. If the research scholar fails to implement these corrective measures within six (06) months, the DRMC may recommend to the Board of Studies for cancellation of the registration of the research scholar with specific reasons.

14.3 THE SCHOOL BOARD (SB):

Every school shall have a School Board as given below:

- i. Dean of the School : Chairperson
 - ii. All HoD/DoC's of the School : Member
 - iii. All Professors of the School : Member
 - iv. One Associate Professor from each of the Departments/
Centres by rotation according to seniority : Member
 - v. One Assistant Professor from each of the Departments/
Centres by rotation according to seniority : Member
 - vi. One Alumni from the same school from the panel consisting of
minimum two members submitted by the Dean of the School and
nominated by the Vice-Chancellor : Member
 - vii. Two external subject experts from the panel consisting of five members
submitted by the Dean of the School and nominated by the Vice-Chancellor : Member
- (* The tenure of the members (iv to vii) shall be for a period of two years. Three members shall form a quorum out of which one external member shall be compulsory.)

14.3.1 FUNCTIONS OF SCHOOL BOARD:

With overall administration of the school, functions of the School Board shall be:

- a. To monitor all research and academic activities of the school.
- b. To review the decisions of BoS and DRMC.
- c. To frame the policies for development of research in the school.
- d. Meeting of SB shall be held twice in an academic year in the months of **September and March**.

15. RESIDENCY PERIOD, ATTENDANCE AND MONITORING:

- 15.1 (a) Ph.D. Research Scholars shall be required to be present as resident in the University for not less than three years to pursue full time research from the date of admission.
- (b) The presence of research scholars in the University shall be duly recorded and maintained by the Department/Centre concerned. Seventy five percent attendances for all research scholars including JRF/RGNF etc. is compulsory for continuation of Ph.D. and payment /recommendation of any type of fellowship.

- (c) The monthly attendance of the research scholar shall be counted on 20th date of every month for the payment /recommendation of fellowship.
 - (d) Ph.D. Research Scholars shall not be permitted to undertake any full time employment during residency period. However, if they attend or need to join any internship or training programme with due permission of the University, they may be allowed to get the remuneration or any type of payment in addition to fellowship.
- 15.2. (a) After completion of residency period research scholar may be permitted to take de-registration and she/he shall be allowed to submit Ph.D. thesis within a period of 10 years from the date of admission. Such seats shall be treated as vacant from the date of de-registration.
- (b) For the de-registration research scholar shall submit an application to BoS concerned through the supervisor.
 - (c) The de-registered research scholar shall have to submit an application within prescribed period for re-registration and submission of thesis. The re-registered research scholar shall have to submit her/his thesis for evaluation within two semesters of re-registration.

16. LEAVE:

- 16.1 (a) A Ph.D. scholar may avail maximum 30 days of general leave (including medical leave) in a year, in addition to the general leave, academic leave for research field work, seminar, workshop, training programme etc. may also be granted based on the recommendation of the Supervisor concerned.
- (b) If any research scholar avails more than 30 days of general leave, she/he shall be treated as absent for the excess period of leave availed. In such cases BoS may grant 10 days of additional general leave on the application of research scholar recommended by the Supervisor, if the case seems genuine in its opinion. Beyond 10 days of excess general leave, no general leave shall be permitted in any case and the admission/registration of the research scholar shall be automatically cancelled.
 - (c) In case, the supervisor is not allotted to a research scholar, all the applications of research scholar shall need to be recommended by the HoD/DoC.
- 16.2 The women candidates may be granted Maternity Leave/Child Care Leave once in the entire duration of M.Phil./Ph.D. up to 240 days. However, amendments made by the Govt. of India in respect of Maternity Leave/Child Care Leave shall be applicable automatically.
- 16.3 Any kind of fellowship and Ph.D. admission of research scholar is liable to be cancelled/legal action against the research scholar in the following cases:
- a) If the research scholar is found to be ineligible to be admitted to Ph.D. programme and to receive the fellowship, at any point of time during the entire duration of the programme and fellowship.
 - b) Misconduct of research scholar, such as proven defamation against supervisor concerned and other faculty and authorities of the University; complaint to higher authorities without routing through proper channel - HoD, Dean and Vice Chancellor.
 - c) Unsatisfactory progress of research work.
 - d) More than one fellowship or any other income is drawn simultaneously.
 - e) Concealment of facts and any other ground of misconduct. As per clause 16.1 (b) of this Ordinance.

17. FELLOWSHIP:

- 17.1 Ph.D. research scholars will be provided fellowship as per guidelines of the UGC/funding agencies.
- 17.2 Non-NET fellowship shall commence from the date of admission.
- 17.3 The research scholar shall have to submit a declaration at the time of admission that if she/he does not complete/submit her/his research work to the University for the Award of degree or leaves the

programme, shall have to return total amount of fellowship received from the University. The University shall ensure the measures to recover the amount.

18. RESEARCH PROPOSAL, PRE REGISTRATION SEMINAR AND REGISTRATION OF RESEARCH TOPIC:

- 18.1 (a) Upon satisfactory completion of course work, the candidate shall present her/his research proposal in pre-registration seminar before the BoS of the department/Centre, the second meeting of the academic session in which the candidate has been given provisional admission.
- (b) Candidate with M.Phil. degree shall present her/his research proposal in pre-registration seminar before the BoS of the department/Centre in the first meeting of the academic session in which the candidate has been given provisional admission.
- 18.2 Upon satisfactory completion of course work, the candidate with M.Phil. degree or without M.Phil. degree shall present her/his research proposal in pre-registration seminar before the BOS of the department/Centre, the meeting of which shall be held in the month of February of the academic session in which the candidate has been given provisional admission.
- 18.3 After approval of the research topic and supervisor of the candidate by the BoS, the candidate shall be registered for the Ph.D. programme.
- 18.4 The date of approval of BoS shall be regarded as the date of registration.
- 18.5 If a candidate fails to satisfy BoS she/he may be given another opportunity to submit research proposal before the BoS of the Department/Centre, the meeting of which shall be held in the month of August of the next academic session.
- 18.6 If BoS finds the candidate's research proposal is non-satisfactory, it shall provide to the candidate suggestions/advice in written.
- 18.7 If the candidate fails to satisfy BoS even in her/his second presentation, her/his provisional admission shall automatically be cancelled, as it is regarded as unsatisfactory work. In this case BoS needs to mention in the minutes its dissatisfaction over following areas:-
 - i. Identification of research problem and methodology.
 - ii. Presentation of research proposal.
 - iii. Review of the Literature.

19. CHANGE OF RESEARCH TOPIC:

The BoS shall have the power to change the topic of research:

Under extra-ordinary circumstances the BoS may change the topic of research on request of the research scholar and the consent of the supervisor with duly recorded reasons in writing. The concerned topic may be changed within one year from the date of the registration of topic. The final approval of the research topic shall be given at the time of pre-submission.

20 . PRE-SUBMISSION SEMINAR:

- 20.1 After completion of research work, prior to a maximum period of three (03) months of submission of the thesis, the candidate shall make a presentation based on the findings of her/his research work before the DRMC which shall also be open to all faculty members and other research scholars of the University. The feedback and suggestions made by the DRMC in writing shall suitably be incorporated into the draft thesis.
- 20.2 The supervisor concerned shall submit a certificate to DRMC regarding incorporation of suggestions/modification in the draft thesis.
- 20.3 If the DRMC is not satisfied with the presentation made by the research scholar and with quality of the research work, it shall record reasons and the research scholar may be asked to make presentation again within two months before the DRMC.

21. SUBMISSION OF THE THESIS:

- 21.1 Ph.D. Research Scholars must publish at least two research papers in refereed journals/UGC approved journals and make two paper presentations in conferences/seminars before the submission of the thesis for adjudication, and produce evidence for the same in the form of presentation certificates and reprints.
- 21.2 The Ph.D. thesis submitted by the scholar shall satisfy the requirement that it is a research work characterized by either the discovery of new facts or by fresh interpretation of facts or theories. It should reveal the scholar's capacity for critical examination, original thinking and critical judgment. Its literary presentation should also be satisfactory. The thesis must be submitted in the format prescribed by the University.
- 21.3 The thesis shall include a certificate in the format prescribed by the University from the Supervisor and the scholar that it incorporates the scholar's bona-fide research work and it has not been submitted for award of any other degree to this or to any other University or any Institute of learning.
- 21.4 The Academic Council of the University shall evolve a mechanism using well developed software and gadgets to detect plagiarism and other forms of academic dishonesty. While submitting for evaluation, the thesis shall have an undertaking from the research scholar and a certificate from the Research Supervisor attesting to the originality of the work, vouching that there is no plagiarism and that the work has not been submitted for the award of any other Degree/Diploma of the same University where the work was carried out, or to any other Institution.
- 21.5 The Research Scholar is required to submit thesis in following manner:-
- a. Four copies with hard binding and soft copies in CDs.
 - b. Four copies of the summary containing findings of research work presented in the thesis.
 - c. Certificates as provided in the appendix.
- 21.6 The HoD/DoC shall forward the thesis to the Department of Examinations for evaluation within one week of the submission of the thesis.

22. EVALUATION OF THE THESIS & VIVA-VOCE:

- 22.1 The Ph.D. thesis submitted by a research scholar shall be evaluated by two external examiners, who are not in employment of the University, of whom one examiner may be from outside the country.
- For the purpose of appointing the said two external examiners, a list of six proposed examiners (with their contact number, e-mail ID & Postal address), who have expertise in the field associated with the Ph.D. research topic shall be submitted by the concerned Supervisor to the Head of the concerned Department/Director of the Centre within one week after successful completion of the pre submission seminar. The list of proposed examiners shall be forwarded by the HoD/DoC concerned to the Department of Examinations within one week of the receipt of the said list. The list of proposed examiners shall be forwarded by the Controller of Examinations to the Vice Chancellor within two weeks of the receipt of the said list.
- The Vice Chancellor shall appoint two examiners for evaluation of the Ph.D. thesis, out of the aforesaid list of the proposed examiners.
- 22.2 The open viva-voce of the research scholar to defend the thesis shall be conducted only if the evaluation reports of both the external examiners on the thesis are satisfactory. The degree of the Ph.D. shall be awarded only after successful completion of viva-voce.
- 22.3 If one of the evaluation reports of the external examiner is unsatisfactory, then University shall send the thesis to a third external examiner and the viva-voce examination shall be held only if the report of such third examiner is

satisfactory. If the report of such third examiner is also unsatisfactory, the thesis shall be rejected and the research scholar shall be declared ineligible for the award of the degree.

22.4 The third examiner for evaluation of the Ph.D. thesis, if necessary as aforesaid, shall be appointed by the Vice Chancellor, from the list of the six examiners originally proposed.

22.5 If any external examiner suggests modifications in the thesis the same shall be sent to the same examiner after modifications.

22.6 (a) The viva-voce examination shall be conducted by the Viva-Voce Board which shall consist of the following members:

- i. The Head of the Department/Director of the Centre : Chairperson
- ii. The concerned supervisor : Member
- iii. One of the External examiners, who has evaluated the Ph.D. thesis : Member

(b) For this purpose the list of the two evaluators shall be forwarded by the Controller of Examinations to the Vice Chancellor, who shall appoint one of the evaluator, with her/his consent, to be on the Viva-voce Board.

22.7 After the constitution of Viva-Voce Board it shall be communicated by the Controller of Examinations to the Head of the concerned Department (HoD)/Director of the concerned Centre (DoC), who shall complete other formalities including fixing the date for the conduct of the Viva-voce *Examination* in consultation with the other members of the Viva- voce Board. Such date for the conduct of the aforesaid examination shall be finalized within one month of the receipt of the final list of the members of the Viva-Voce Board by the concerned HoD/DoC.

22.8 The Viva-Voce examination shall be open to be attended by all faculty members of the Department/Centre, Research Scholars and other interested faculty members, experts/researchers of the university and outside the University.

22.9 The report of the Viva-Voce Examination shall be forwarded by the HoD/DoC to the Controller of Examinations on the same/next working day of the conduct of the Viva-Voce Examination. The result of such Viva-Voce Examination shall be declared by the Controller of Examinations within one week of the receipt of such report.

22.9.1 The scholar shall be provided the reports of the thesis if there are any corrections or modifications suggested.

22.9.2 If a research scholar does not secure minimum fifty five percent of total credits, she/he shall not be awarded the Ph.D. degree.

23. LANGUAGE:

23.1 The Language of the thesis and summary shall be 'Hindi' written in Devnagari script.

23.2 The summary of the thesis may be submitted in English also.

24. Award of Ph.D. degrees or degrees awarded by foreign Universities prior to Notification/implementation of UGC (Minimum standard and procedure for award of M.Phil./Ph.D. Degrees) Regulation, 2016

24.1 Award of Degrees to the Research Scholars registered for the Ph.D. Programme on or after July 11, 2009 till the date of implementation of the *UGC (Minimum standard and procedure for award of M.Phil./Ph.D. Degrees) Regulation, 2016* by the University shall be governed by the provisions of the *UGC (Minimum Standards and procedure for Awards of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulation, 2009*.

24.2 If the Ph.D. degree is awarded by a Foreign University, the University considering such a degree shall refer the issue to the Equivalence Committee constituted by the University, for the purpose of determining the equivalence of the degree awarded by the foreign University.

24.3 Prior to the actual award of the degree, University shall issue a provisional certificate to the effect that the Degree has been awarded in accordance with the provisions of *UGC (Minimum standard and procedure for award of M.Phil./Ph.D. Degrees) Regulation, 2009/2016* (whichever is applicable).

25. The University shall develop appropriate methods so as to complete the entire process of evaluation of Ph.D. thesis within a period of six months from the date of submission of the thesis.

26. The University shall develop a proper format for the evaluation of the thesis by the examiner(s). (See appendix – II)

27. DEPOSITORY WITH INFLIBNET:

Following the successful completion of the evaluation process and before the announcement of the award of the Ph.D. degree(s), the University shall submit an electronic copy of the Ph.D. thesis to the INFLIBNET for hosting the same so as to make it accessible to all Institutions/Colleges.

28. APPLICABILITY OF THIS ORDINANCE:

This ordinance shall replace all the earlier ordinances and shall be applicable from the date of the approval of Academic Council.

29. REMOVAL OF DIFFICULTIES:

Notwithstanding anything contained in this ordinance, the Vice Chancellor may take such measures, as may be necessary, in accordance with provisions of UGC (Minimum Standards and procedure for Award of M.Phil./Ph.D. Degrees) Regulation, 2016

टिप्पणी: पीएच.डी. अध्यादेश में होने वाले संशोधन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अधिसूचित किये जाएंगे। अतः अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

Appendix-I
Format for the Thesis
(As a Part of Ordinance)

1. शोध-प्रबंध का मुख्य पृष्ठ:

- (क) शोध-प्रबंध का शीर्षक क्रमशः हिंदी एवं अंग्रेजी में
- (ख) पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबंध
- (ग) शोधार्थी एवं शोध-निर्देशक का नाम
- (घ) विश्वविद्यालय का 'लोगो'
- (ड.) प्रस्तुति वर्ष
- (च) विभाग एवं विश्वविद्यालय का क्रमशः पूरा नाम

2. शोध-प्रबंध के मुख्य पृष्ठ हेतु प्रस्तावित रंग: गहरा नीला

3. शोध-प्रबंध प्रस्तुतीकरण:

- (क) संदर्भ पद्धति : APA
- (ख) Kokila/Arial Unicode
- (ग) फॉन्ट साइज-16
- (घ) दो लाइनों के बीच की दूरी 1.5

4. शोध-प्रबंध का प्रस्तावित प्रारूप:

- i) घोषणा-पत्र/प्रमाणपत्र (शोधार्थी एवं निर्देशक की ओर से एक ही होगा)
- ii) भूमिका
- iii) विषयानुक्रमणिका
- iv) संक्षिप्ताक्षर (यदि आवश्यकता हो)
- v) अध्यायवार मूल अंतर्वस्तु
- vi) संदर्भ सूची
- vii) परिशिष्ट (यदि आवश्यकता हो)



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

एम.फिल./पी-एच.डी/डी.लिट. उपाधि हेतु सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी संबंधी शपथ-पत्र

मैं पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती
(विभाग का नाम*) (विद्यापीठ का नाम*) के
अंतर्गत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की एम.फिल./पी-एच.डी/डी.लिट. उपाधि हेतु नियमित शोधार्थी हूँ।
मेरा शोध विषय है।

मैं, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्चतर शिक्षा संस्थानों में अकादमिक सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी रोकथाम को प्रोत्साहन) विनियम, 2018 के अधीन, सत्यनिष्ठा पूर्वक यह शपथ-पत्र प्रस्तुत करता/करती हूँ कि -

1. उपर्युक्त विषयक शोध-कार्य स्वयं मेरे द्वारा संपन्न किया गया है और इसमें प्रस्तुत समस्त दस्तावेज मौलिक रूप से मेरे द्वारा लिखे गये हैं।
2. उपर्युक्त विषयक शोध-कार्य में स्वयं मेरे द्वारा लिखित/प्रस्तुत किसी पूर्व प्रकाशित सामग्री का, बिना संदर्भ के, उपयोग नहीं किया गया है।
3. उपर्युक्त विषयक शोध-कार्य, मेरे अधिकतम संज्ञान में, साहित्यिक चोरी/नकल से पूर्णतः मुक्त है।
4. उपर्युक्त विषयक शोध-कार्य अब तक अप्रकाशित है और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा अथवा अन्य किसी भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय या संस्थान की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।
5. उपर्युक्त विषयक शोध-कार्य में किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी का कभी भी पता चलता है तो उसके लिए मैं हर प्रकार से उत्तरदायी होऊँगा/होऊँगी। मैं इस तथ्य से भलीभाँति अवगत हूँ कि ऐसा पाये जाने पर मेरे विरुद्ध महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा अथवा विधि द्वारा विहित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और मुझे प्राप्त उपाधि रद्द कर दी जाएगी। साथ ही, अर्जित लाभ (सेवायोजन, शोधवृत्ति आदि) से वंचित कर दिया जाएगा और पूर्व में प्राप्त समस्त परिलाभों की भरपाई भी करनी होगी।
6. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा प्रौद्योगिकी आधारित सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी की जाँच की रिपोर्ट में भी यदि ऐसा पाया जाता है तो भी मुझे विश्वविद्यालय अथवा विधि द्वारा विहित कोई भी कार्रवाई सर्वथा स्वीकार होगी।

दिनांक :

स्थान :

(हस्ताक्षर*)

शोधार्थी का नाम:

पंजीयन संख्या:

ई-मेल:

संपर्क नंबर:

@ प्रविष्टि दर्ज करते हुए चिह्नित (*) को हटा दें।

शपथ-पत्र रु. 100 के नोटराइज्ड नॉन-ज्यूडिशियल स्टॉप पेपर पर प्रस्तुत करें।



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

एम.फिल./पी-एच.डी/डी.लिट्. उपाधि हेतु शोध-निर्देशक का प्रमाण-पत्र

श्री/सुश्री/डॉ. (विभाग का नाम*)
(विद्यापीठ का नाम*) के अंतर्गत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की
(पाठ्यक्रम/कार्यक्रम का नाम*) एम.फिल./पी-एच.डी/डी.लिट्. उपाधि हेतु नियमित शोधार्थी हैं।

श्री/सुश्री/डॉ. ने मेरे शोध निर्देशन में कार्य किया है। इनका शोध
विषय है।

मैं, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्चतर शिक्षा संस्थानों में अकादमिक सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी रोकथाम को प्रोत्साहन) विनियम, 2018 के अधीन, यह प्रमाणित करता/करती हूँ कि-

1. उपर्युक्त विषयक शोध-कार्य मेरे निर्देशन में शोधार्थी द्वारा स्वयं संपन्न किया गया है।
2. उपर्युक्त विषयक शोध-कार्य शोधार्थी का मौलिक लेखन है एवं साहित्यिक चोरी से पूर्णतः मुक्त है।
3. उपर्युक्त विषयक शोध-कार्य, मेरे अधिकतम संज्ञान में, अब तक अप्रकाशित है और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा अथवा अन्य किसी भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय या संस्थान की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है।

दिनांक:

स्थान:

(हस्ताक्षर*)

शोध-निर्देशक का नाम:

पदनाम:

विभाग:

ई-मेल:

संपर्क नंबर:

प्रविष्टि दर्ज करते हुए चिह्नित (*) को हटा दें।



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वरधा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

दिनांक/Date

एम.फिल./पी-एच.डी/डी.लिट. उपाधि हेतु सत्यनिष्ठा / साहित्यिक चोरी सत्यापन

Integrity / Plagiarism Verification for M.Phil./Ph.D./D.Litt. Degree

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्चतर शिक्षा संस्थानों में अकादमिक सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी रोकथाम को प्रोत्साहन) विनियम, 2018 के अधीन

शोध-प्रबंध का शीर्षक / Title of the Thesis	
कुल पृष्ठ / Total Page	
शोधकर्ता / Researcher	
शोध-निर्देशक / Supervisor	
विभाग / Department	
विद्यापीठ / Institution	

उपर्युक्त शोध-प्रबंध को समानता की जाँच* के लिए स्कैन किया गया, जिसकी प्रक्रिया और परिणाम का विवरण नीचे प्रदर्शित है/

This is to report that the above thesis was scanned for similarity detection. Process and outcome is given below:

सॉफ्टवेयर प्रयोग/ Software used	दिनांक / Date
समानता सूची / Similarity Index	कुल शब्द गणना / Total word count

संपूर्ण रिपोर्ट शोध-निर्देशक/विभागाध्यक्ष द्वारा पुनरीक्षण के लिए प्रस्तुत की जाती है।

The complete report is submitted for review by the Supervisor/HOD

जाँचकर्ता के हस्ताक्षर/ Signature

पूरा नाम / Full Name

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष/ पुस्तकालयाध्यक्ष

Assistant Librarian/ Librarian

उपर्युक्त शोध-प्रबंध की पूरी रिपोर्ट की अधोहस्ताक्षरी द्वारा समीक्षा की गई है।

The complete report of the above thesis has been reviewed by the undersigned.

- समानता सूची स्वीकृत मानदंडों के अनुसार निम्नानुसार है
The similarity index is below accepted norms
- निम्नलिखित कारणों से समानता सूची स्वीकृत मानदंडों से ऊपर है:
The similarity index is above accepted norms, because of the following reasons:
 - 1.
 - 2.
 - 3.
 - 4.
 - 5.

शोध-प्रबंध को परीक्षणार्थ प्रस्तुत/उपाधि प्रदान किये जाने हेतु विचार किया जा सकता है (संबंधित दस्तावेज संलग्न)।

The thesis may be submitted for evaluation / considered for the award of degree (Relevant documents attached).

शोधार्थी (तिथि सहित हस्ताक्षर)

Research Scholar (Signature with Date)

शोध-निर्देशक (तिथि सहित हस्ताक्षर)

Supervisor (Signature with Date)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्चतर शिक्षा संस्थानों में अकादमिक सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी रोकथाम को प्रोत्साहन) विनियम, 2018 के प्रावधानानुसार

*** साहित्यिक चोरी के स्तर :**

Levels of Plagiarism :

साहित्यिक चोरी को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ उसकी गंभीरता के बढ़ते क्रम में साहित्यिक चोरी की निम्नवत स्तरों में मापा जाएगा:

Plagiarism would be quantified into following levels in ascending order of severity for the purpose of its definition:

1. स्तर शून्य : दस प्रतिशत तक समानता - थोड़ी बहुत समानताएँ, कोई दंड नहीं।
Level 0 : Similarities upto 10% - Minor similarities, no penalty
2. प्रथम स्तर : दस प्रतिशत से चालीस प्रतिशत तक समानताएँ।
Level 1 : Similarities above 10% to 40 %
3. द्वितीय स्तर : चालीस प्रतिशत से साठ प्रतिशत तक समानताएँ।
Level 2 : Similarities above 40% to 60%
4. तृतीय स्तर : साठ प्रतिशत से अधिक समानताएँ।
Level 3 : Similarities above 60%



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

शोध-पत्र/परियोजना/अन्य प्रकाशन संबंधी

सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी विषयक घोषणा-पत्र

मैं पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती (विभाग का नाम*) (विद्यापीठ का नाम*) के अंतर्गत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में एम.फिल./पी-एच.डी/डी.लिट. शोधार्थी हूँ/प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/असिस्टेंट प्रोफेसर/..... के पद पर कार्यरत हूँ। मेरा शोध-पत्र/परियोजना/प्रकाशन का शीर्षक है।

मैं, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्चतर शिक्षा संस्थानों में अकादमिक सत्यनिष्ठा एवं साहित्यिक चोरी रोकथाम को प्रोत्साहन) विनियम, 2018 के अधीन, सत्यनिष्ठा पूर्वक यह घोषणा करता/करती हूँ कि -

उपर्युक्त शीर्षक शोध-पत्र/परियोजना/(प्रकाशन का अन्य प्रकार लिखें*) स्वयं मेरे द्वारा संपन्न किया गया है और इसमें प्रस्तुत समस्त दस्तावेज मौलिक रूप से मेरे द्वारा लिखे गये हैं।

1. उपर्युक्त शीर्षक शोध-पत्र/परियोजना/(प्रकाशन का अन्य प्रकार लिखें*) में स्वयं मेरे द्वारा लिखित/प्रस्तुत किसी सामग्री का, बिना संदर्भ के, उपयोग नहीं किया गया है।
2. उपर्युक्त शीर्षक शोध-पत्र/परियोजना/(प्रकाशन का अन्य प्रकार लिखें*), मेरे अधिकतम संज्ञान में, साहित्यिक चोरी/नकल से पूर्णतः मुक्त है।
3. उपर्युक्त शीर्षक शोध-पत्र/परियोजना/(प्रकाशन का अन्य प्रकार लिखें*) अब तक अप्रकाशित है।
4. उपर्युक्त शीर्षक शोध-पत्र/परियोजना/(प्रकाशन का अन्य प्रकार लिखें*) में किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी का कभी भी पता चलता है तो उसके लिए मैं हर प्रकार से उत्तरदायी होऊँगा/होऊँगी। मैं इस तथ्य से भलीभाँति अवगत हूँ कि ऐसा पाये जाने पर मेरे विरुद्ध महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा अथवा विधि द्वारा विहित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, अर्जित लाभ (सेवायोजन, शोधवृत्ति, मानदेय आदि) से वंचित कर दिया जाएगा और पूर्व में प्राप्त समस्त परित्यागों की भरपाई भी करनी होगी।

दिनांक:

स्थान:

(हस्ताक्षर*)

(पूरा नाम)

पता:.....

ई-मेल:

संपर्क नंबर:

प्रविष्टि दर्ज करते हुए चिह्नित (*) को हटा दें।

छात्र सहमति फॉर्म
STUDENT APPROVAL FORM

Name of the Author :	
लेखक का नाम :	
Name of the Department : विभाग का नाम	
Name of the Degree : उपाधि का नाम	
Name of the University : विश्वविद्यालय का नाम	
Name of the Guide : गाइड का नाम	
Thesis Title (in English) :	
शोध का शीर्षक (हिंदी में) :	
Year of Award : उपाधि / सम्मान का वर्ष	

करार / Agreement

1. मैं, प्रमाणित करता हूँ कि यदि उचित/उपयुक्त हो- मैंने, मेरी थीसिस / शोध प्रबंध में शामिल करने के लिए किसी भी तृतीय पक्ष द्वारा कॉपीराइट किए गए मामले के संपादक/मालिक(ओं) से लिखित अनुमति/ स्वीकृति से प्राप्त और संलग्न किया है, नीचे निर्दिष्ट विवरणानुसार वितरण की अनुमति देता हूँ।

I, hereby certify that, if appropriate, I have obtained and attached hereto a written permission/statement from the owner(s) of each third party copyrighted matter to be included in my thesis/dissertation, allowing distribution as specified below.

2. मैं, विश्वविद्यालय और उसके एजेंटों को संग्रहित और सुलभ बनाने के लिए गैर-विशिष्ट लाइसेंस प्रदान करता हूँ, नीचे निर्दिष्ट शर्तों के तहत, मेरी थीसिस / शोध प्रबंध, पूरी तरह से या कुछ हिस्सों में मीडिया के सभी रूपों में, अब/ इसके बाद जाना जाएगा मैं, थीसिस / शोध प्रबंध के कॉपीराइट के लिए अन्य सभी स्वामित्व अधिकार बनाए रखता हूँ। मैं, इस थीसिस, शोध प्रबंध, या परियोजना रिपोर्ट के सभी या हिस्से के भविष्य के कार्यों (जैसे लेख या पुस्तकें) में उपयोग करने का अधिकार भी बरकरार रखता हूँ।

I hereby grant to the university and its agents the non-exclusive license to archive and make accessible, under the conditions specified below, my thesis/dissertation, in whole or in part in all forms of media, now or hereafter known. I retain all other ownership rights to the copyright of the thesis/dissertation. I also retain the right to use in future works (such as articles or books) all or part of this thesis, dissertation, or project report.

शर्तें / Conditions :

1. दुनिया भर में पहुंच के लिए पूरे कार्य को उपलब्ध कराया जाए Release the entire work for access worldwide	
--	--

<p>2. मेरे पूरे कार्य को 'मेरे विश्वविद्यालय' द्वारा उपलब्ध कराया जाए Release the entire work for 'My University' only for</p> <p>1 वर्ष के लिए / 1 Year</p> <p>2 वर्ष के लिए / 2 Year</p> <p>3 वर्ष के लिए / 3 Year</p> <p>और इस समय के बाद दुनिया भर में पहुंच के लिए कार्य को मुक्त किया जाए</p> <p>and after this time release the work for access worldwide.</p>	
<p>3. पूरे काम को 'मेरे विश्वविद्यालय' के लिए छोड़ दें जबकि वैश्विक अभिगम के लिए एक ही समय में काम के निम्नलिखित हिस्सों को जारी किया जाए (उदाहरणार्थ अन्य हिस्से जो प्रकाशनों से संबंधित हैं)।</p> <p>Release the entire work for 'My University' only while at the same time releasing the following parts of the work (e.g. because other parts relate to publications) for worldwide access.</p> <p>a) ग्रंथसूची विवरण और केवल सारांश Bibliographic details and Synopsis only.</p> <p>b) ग्रंथ सूची विवरण, सारांश और निम्नलिखित अध्याय केवल। Bibliographic details, synopsis and the following chapters only.</p> <p>c) पूर्वावलोकन / सामग्री की तालिका /24 पृष्ठ केवल। Preview/Table of Contents/24 page only.</p>	
<p>4. केवल देखें (विश्वव्यापी) (कोई डाउनलोड नहीं) View Only (No Downloads) (worldwide)</p>	

शोधार्थी के हस्ताक्षर
Signature of the Scholar

गाइड के हस्ताक्षर और मुहर
Signature and seal of the Guide

स्थान/Place : _____

दिनांक/Date : _____



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

NAAC द्वारा "A" ग्रेड प्रदत्त / NAAC Accreditation "A" Grade

क्रादर नवाज़ खान/Kadar Nawaz Khan

दूरभाष क्र./Phone no : 07152-230902

कार्यकारी कुलसचिव/Acting Registrar

पत्रांक 04 :A/प्र.स./2021-22/01/...२९१७

दिनांक : 25 अगस्त, 2021

अधिसूचना

प्रवेश समिति (सत्र 2021-22) की प्रथम बैठक (दिनांक: 08 अप्रैल 2021) में लिए गए निर्णय तथा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन उपरांत पी-एच.डी. अध्यादेश के पैरा क्र. 4.2 को संशोधित किया जाता है। पी-एच.डी. अध्यादेश पैरा क्र. 4.2 निम्नानुसार था:

4.2 Stage- II: Written Test

The total marks for written test shall be 100. Qualifying marks shall be 50 percent in the written test (45% for SC/ST/OBC-NCL/PWD). The syllabus of the Entrance Test shall consist of 50% of research methodology and 50% shall be subject specific. The pattern of written test shall be as adopted by the University for Semester Examination.

The Entrance Test shall be conducted at the centre(s) notified in advance changes of centres, if any, shall also be notified well in advance.

को निम्नानुसार पढ़ा जाए:

4.2 Stage- II: Written Test

There shall be written entrance test and interview for Ph.D. programme admission. The total marks for written test shall be 100. Final merit list shall be prepared on the basis of total marks obtained in written entrance test and interview.

Written test shall consist 80% weightage and interview shall consist 20% of total marks. There shall be two papers for Entrance test. Paper Ist shall consist of Research Aptitude, Reasoning and Proficiency in Hindi language and Paper IInd shall be subject specific.

The pattern of written test shall be as adopted by the University for Semester Examinations.

The candidate must have to qualify Paper I and II both separately with at least 50% marks (45% for SC/ST/OBC-NCL/PWD). The entrance merit shall be prepared after adding the marks of Paper I & II with minimum 50% marks (45% for SC/ST/OBC-NCL/PWD).

The number of candidates to be called for interview may be up to five times against the vacant seats in each department and category.

The Entrance Test shall be conducted at the centre(s) notified in advance. Changes in centre, if any, shall also be notified well in advance.

यह व्यवस्था पी-एच.डी. प्रवेश सत्र 2021-22 से लागू की जाती है।

कादर नवाज़
(क्रादर नवाज़ खान)

25/08/21

प्रतिलिपि (ईमेल द्वारा) :

1. कुलपति कार्यालय
2. प्रतिकुलपति कार्यालय (द्वय)
3. सहायक कुलसचिव, प्रवेश प्रकोष्ठ/ परीक्षा विभाग
4. समस्त अधिष्ठाता/ विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक
5. विश्वविद्यालय वेबसाइट
6. संबंधित पत्रावली

म.गां.अ.हि.विश्वविद्यालय पोस्ट ऑफिस, गांधी हिल्स, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र), भारत
M.G.A.H.Vishwavidyalaya Post Office, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), India

Email : exam@hindivishwa.org, Website: www.hindivishwa.org

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा पारित अधिनियम, 1997 क्रमांक 03 के अंतर्गत एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में वर्धा, महाराष्ट्र में हुई। यह एकमात्र ऐसा केंद्रीय विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना मुख्यतः हिंदी भाषा और साहित्य की उन्नति और विकास के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के भी उन्नयन और विकास तथा सुसंगत विद्याशाखाओं में ज्ञान-विज्ञान को उपलब्ध कराने और हिंदी की प्रकार्यात्मक क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से की गई है।

विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएँ :

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है—

1. छात्रावास

नियमित कार्यक्रम के विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता तथा वरीयता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास हेतु आवेदन पत्र प्रवेश के उपरांत कुलानुशासक कार्यालय अथवा संबंधित छात्रावास अधीक्षक कार्यालय द्वारा दिया जाएगा। छात्रावास आवंटन के पश्चात् विद्यार्थियों को दो माह का अग्रिम मेस शुल्क सहायक कुलसचिव परिसर विकास कार्यालय से चालान प्राप्त कर विश्वविद्यालय के खाता सं: 972110210000044 IFSC Code BKID0009721 में जमा करना होगा। समस्त रहवासियों को मेस में खाना अनिवार्य है। छात्रावास सुविधा के संबंध में समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

2. लीला (LILA) एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला

‘लीला’ (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित सूचना-प्रौद्योगिकी अनुषंग है। इक्कीसवीं सदी की विश्व व्यवस्था में सामान्यतः और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषतः सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केंद्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन (Computing) से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को पाठ्यचर्या के रूप में सम्मिलित किया है। विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में अभिकलन-आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण अभिकलनमूलक स्वतंत्र कार्यक्रमों को चलाना, लीला की जिम्मेदारियाँ हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कंप्यूटर के शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

3. केंद्रीय पुस्तकालय

महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से संबंधित एक लाख से अधिक पाठ्य पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग हेतु महत्वपूर्ण शोध पत्रिकाएँ ई-संसाधन एवं ऑनलाइन जर्नल भी उपलब्ध हैं।

4. क्रीडा और खेलकूद

विश्वविद्यालय का विद्यार्थी शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्त्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। विश्वविद्यालय ने मेजर ध्यानचंद की स्मृति में एक स्थायी क्रीडा स्थल विकसित किया है।

5. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित हैं।

6. नियोजन प्रकोष्ठ

विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर से परिचित कराने एवं इसके लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से विश्वविद्यालय में व्यवसाय एवं नियोजन प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। यह प्रकोष्ठ समय समय पर रोजगार एवं नियोजन के संदर्भ में मार्गदर्शन एवं परामर्श से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन करता है। इस प्रकोष्ठ का यह भी प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को उभरते स्वरोजगार के अवसरों से भी परिचित कराया जाए।